Seventeenth Loksabha

>

Title: Request to give the risk and harship allowance to Central Armed Police Forces (CAPF).

श्री रवनीत सिंह (लुधियाना) : **अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी इजाज़त से आज सेन्ट्रल ऑर्म्ड पुलिस फोर्सेज़ की बात करना चाह रहा हूं । आप भी जानते हैं, जहां कहीं भी प्रॉब्लम वाले एरियाज़ होते हैं, वहां पर सीआरपीएफ होती है । अगर हम आईटीबीपी की बात करें, तो जहां बर्फीले इलाके हैं, जहां रात को ऑक्सीजन भी नहीं होती है, वे ऑक्सीजन सिलेंडर्स लगाकर सोते हैं, वे वहां पर तैनात हैं ।**

अगर हम सीआईएसएफ की बात करें, तो एयरपोर्ट ड्यूटीज़, मेट्रो और सभी महत्वपूर्ण जगहों पर वह तैनात रहती है । अगर हम एसएसबी की बात करें, पार्लियामेंट की बात करें, तो यहां पर सीआरपीएफ तैनात है । जब फौज की बात आती है, मैं कहता हूं कि उसका कोई मुकाबला नहीं है । सेन्ट्रल ऑर्म्ड पुलिस फोर्सेज़ को भी फौज के बराबर रिस्क एंड हार्डशिप अलाउंस मिलना चाहिए, क्योंकि वे भी फौज की तरह ही ड्यूटीज़ करते हैं ।

सर, अगर हम घरों की बात करें तो उनका सेटिस्फेक्शन लेवल 45 परसेंट है । आज 1 लाख 45 हजार घरों की जरूरत है, जो नहीं हैं । 23,000 मकान बन रहे हैं, उनके लिए जल्दी से जल्दी फंड चाहिए । मैं आपसे दो बातें कहकर अपनी बात को समाप्त करूंगा ।

सर, ये नौकरियां क्यों छोड़ रहे हैं? ये सबसे ज्यादा नौकरियां छोड़कर जा रहे हैं, क्योंकि न्यू पेंशन स्कीम चालू हो गई है, ओल्ड पेंशन स्कीम बंद कर दी गई है । दूसरा विषय आत्महत्या का है । इस साल 134 आत्महत्याएं हुई हैं । ऐसा क्यों है? उनकी छुट्टियां फौज की छुट्टियों के बराबर होनी चाहिए । उनके घरवालों के लिए ट्रीटमेंट की जो फैसिलिटी है, वह भी बहुत कम है ।

सर, एक आखिरी विषय है । उनके सीनियर ग्रेड में काफी वेकेंसीज़ खाली पड़ी हैं । सभी फोर्सेस में लाखों की संख्या में वेकेंसीज़ खाली पड़ी है तो मेरी मांग है कि सरकार के द्वारा उन वेकेंसीज़ को भरा जाए । पैरामिलिट्री फोर्स हमारे देश की शान है, इसको मजबूत किया जाए, फौज के बराबर किया जाए ।